

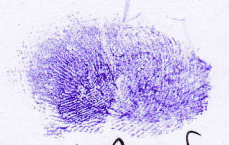
2/1/17 को पेश हुई। वादी-प्रतिवादी उपस्थित।
उन अधिकारी बैठक/कानून व्यवस्था,
व अवकाश पर होने से पत्रावाली
दिनांक 10/1/17 को पेश होने से
आज्ञा से

B

उपखण्ड अधिकारी, ऋषभदेव

पत्रावाली आज प्राथमिक श्रेणी पुत्री बार्ड पति पद्म मीणा
श्री स्व. चरमा स्वराजी निवासी शंकरभद्र हाल निवासी
बहुता सहस्रीव समाज ने अपने अधिवक्ता श्री श्रीमण्डल पटेल
स्व अपने पुत्र श्री बाबूलाल के साथ उपस्थित होकर
प्राथमिक पत्र अंतर्गत आदेश 23 नियम 1(3) संपठित धारा
151 जा.दि. का तथा प्राथमिक पत्र वास्तु पत्रावाली तलब की
का प्रस्तुत कर विवेदन किया है कि वादीया द्वारा इस न्यायालय
में वाद घोषणा स्थाई विषयवादा का पेश किया जो विचारधीन
होकर पेशी दिनांक 10/1/17 में नियत है। उक्त प्रकरण में वादीया
के वाद में प्रारम्भिक श्रेणी एवं शौचाधिकार की श्रेणी अधिवक्ता
द्वारा कर है जिससे उक्त वाद के विफल होने की संभावना
है जिसका नुकसान वादीया को होगा जिससे वादीया अपने
वाद को विद्व कसा चाहती है एवं अपने अधिकार सुरक्षित
रखने हेतु तथा वाद पेश करने की स्वीकृति चाही गई है।
यदि प्रारम्भिक श्रेणी पर है जिसमें जवाबदाता भी पेश नहीं
होता है। जिससे प्रतिवादीगण के हितों पर कोई प्रभाव
नहीं पड़गा। अतः मैं वादीया के तथा वाद प्रस्तुत करने के
अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए यह वाद विद्व करने की
स्वीकृति चाहती हूँ।

उक्त प्राथमिक पत्र पर पत्रावाली शारदा से तलब की
गई। वादीयां श्रीमती पुत्री बार्ड मीणा मम अधिवक्ता
श्री श्रीमण्डल पटेल तथा पुत्र बाबूलाल की उपस्थिति में
वादीयां को यह विद्व प्राथमिक पत्र पढकर सुनाया
गया जिसे वादीया ने सही होना स्वीकार किया



LTI

नि. (पुत्री बार्ड)

बाबूलाल
(वादीया का पुत्र)

B
श्रीमती शारदा

तथा प्राथमिक पत्र में वर्णित वाद को विद्वानों ने अपनी स्वीकृति दी / वादीयों की पहचान उनके साथ उपस्थित अधिकार श्री भगवान पटेल ने की / अतः वादीयों के नया दावा प्रस्तुत करने के अधिकार को सुरक्षित रखते हुए यह वाद पत्र विद्वानों को अग्रगण्य दी जाती है।

धन्यवशी फॉसल सुगाह ठोकर नम्बर से नका की जाकर दाखिल दफतर है।

